गोविंदा का बड़े पर्दे पर दमदार कमबैक

बॉलीवुड के 'हीरो नंबर वन' गोविंदा एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी नई शुरुआत करने जा रहे हैं. लंबे समय से फिल्मों से दूरी बनाए रखने वाले गोविंदा ने अपनी आगामी दो फिल्मों 'रूपा' और 'दुनियादारी' का टाइटल पोस्टर जारी कर अपने प्रशंसकों को बड़ी खुशखबरी दी है. खास बात यह है कि इन फिल्मों में वह केवल अभिनेता ही नहीं, बल्कि निर्माता की भूमिका भी निभा रहे हैं.

पोस्टर लॉन्च के दौरान गोविंदा ने अपनी फिल्मों, करियर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की और भरोसा जताया कि दर्शकों को उनका यह नया अंदाज जरूर पसंद आएगा.

गोविंदा ने एक विशेष कार्यक्रम में दोनों फिल्मों के टाइटल पोस्टर का अनावरण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि वह अब पूरी तरह तैयार हैं और जल्द ही फिल्मों की पूरी स्टारकास्ट की घोषणा की जाएगी. उन्होंने बताया कि इन प्रोजेक्ट्स में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई नए कलाकारों को अवसर दिया जाएगा. गोविंदा का मानना है कि नई प्रतिभाओं को मंच देना फिल्म उद्योग की जिम्मेदारी है और उनकी फिल्मों के जरिए कई नए चेहरे दर्शकों के सामने आएंगे. अपनी फिल्म 'रूपा' के बारे में बात करते हुए गोविंदा ने कहा कि यह उनके लिए बेहद खास प्रोजेक्ट है.

जल्द आएगा रश्मि और जाह्नवी सोनी का नया शो 'सयोनी

स्टार प्लस ने अपने नए फिक्शन शो 'सयोनी' की पहली झलक जारी कर दी है. यह शो माँ-बेटी के अटूट रिश्ते, बिछड़ने, त्याग और उम्मीद की भावनात्मक कहानी को पर्दे पर पेश करेगा. जारी प्रोमो में सान्वी (जाह्नवी सोनी) की कहानी दिखाई गई है, जो एक मासूम और चंचल बच्ची है. अनाथालय में पली-बढ़ी सान्वी को यह नहीं पता कि उसकी माँ जीवित है. बचपन से ही उसकी सबसे बड़ी ख्वाहिश अपनी माँ को ढूंढ़ना और पहली बार माँ के स्नेह का अनुभव करना है. शो में रश्मि देसाई और जाह्नवी सोनी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी. 'सयोनी' की कहानी एक माँ और बेटी के बिछड़ने तथा उनके दोबारा मिलने की उम्मीद के इर्द-गिर्द घूमती है. प्रोमो में सान्वी की मासूमियत, उसकी उम्मीद और अपनी माँ से मिलने की चाह को भावनात्मक अंदाज में दिखाया गया है. प्रोमो कई सवाल भी छोड़ता है,आखिर किन परिस्थितियों ने माँ और बेटी को एक-दूसरे से अलग कर दिया?

पहली बार साथ दिखेंगे टाइगर-शनाया

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ अब अपने करियर में एक नया प्रयोग करने जा रहे हैं. दमदार एक्शन फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले टाइगर पहली बार जॉम्बी-कॉमेडी जॉनर में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री शनाया कपूर मुख्य भूमिका निभाएंगी. दोनों कलाकार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे.

फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट की पुष्टि कर दी है. यह एक मल्टीस्टारर फिल्म होगी और इसकी शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है. एक इंटरव्यू में अहमद खान ने बताया कि फिल्म पूरी तरह फाइनल हो चुकी है और इसका फोटोशूट भी पूरा किया जा चुका है. अब बाकी कलाकारों का चयन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि टाइगर और शनाया की जोड़ी इस फिल्म का अहम आकर्षण होगी. फिल्म में हॉरर, कॉमेडी और एक्शन का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा, जो दर्शकों के लिए एक नया सिनेमाई अनुभव साबित हो सकता है. टाइगर श्रॉफ ने अब तक 'हीरोपंती', 'बागी', 'बागी 2' और 'वॉर' जैसी फिल्मों में अपनी एक्शन इमेज बनाई है. हालांकि पिछले कुछ वर्षों में 'हीरोपंती 2', 'गणपथ' और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं. इसके बावजूद फिल्म निर्माताओं का भरोसा उन पर कायम है और उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं. इन दिनों वह करण जौहर के बैनर तले बन रही फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में भी व्यस्त हैं. वहीं, शनाया कपूर के लिए भी यह फिल्म बेहद अहम मानी जा रही है. बॉलीवुड में उनकी शुरुआत अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी, ऐसे में टाइगर श्रॉफ जैसे बड़े स्टार के साथ यह फिल्म उनके करियर को नई दिशा दे सकती है. दर्शकों को पहली बार इस नई जोड़ी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने का मौका मिलेगा.

अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर किया बड़ा खुलासा

अंजली आनंद का छलका दर्द

अभिनेत्री अंजलि आनंद ने फिल्म इंडस्ट्री में होने वाली टाइपकास्टिंग और बॉडी शेमिंग को लेकर बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि करीब पांच साल पहले रिलीज हुई अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'बेल बॉटम' में उन्हें अभिनय क्षमता नहीं, बल्कि उनके बढ़े हुए वजन की वजह से रोल मिला था. हाल ही में एक इंटरव्यू में अंजलि ने कहा कि कलाकारों को उनके हुनर के बजाय शरीर के आधार पर आंकना बेहद दुखद है और यह अनुभव उनके लिए काफी तकलीफदेह रहा. इन दिनों 'धमाल 4' की सफलता को लेकर चर्चा में चल रहीं अंजलि आनंद ने प्रमोशन के दौरान दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती दौर का अनुभव साझा किया. उन्होंने बताया कि फिल्म 'बेल बॉटम' में उनका किरदार केवल इसलिए रखा गया था ताकि एक आतंकवादी उनके ऊपर गिर सके और उसे पकड़ लिया जाए. अंजलि ने कहा, 'मुझे ऐसे रोल इसलिए ऑफर किए जाते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं. जब लोग इसका मजाक उड़ाते हैं तो बहुत बुरा लगता है. कोई यह नहीं देखता कि मैं अच्छी अभिनेत्री हूं या नहीं. 'अंजलि के इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग और टाइपकास्टिंग की बहस को एक बार फिर हवा दे दी है. उनका कहना है कि किसी कलाकार की पहचान उसके अभिनय से होनी चाहिए, न कि उसके शरीर के आकार या वजन से. उन्होंने यह भी माना कि कई बार कलाकारों को केवल उनके लुक्स के आधार पर सीमित तरह के किरदार दिए जाते हैं, जिससे उनकी प्रतिभा पूरी तरह सामने नहीं आ पाती.

बारिश आते ही गूंजता है 'बरसो रे'

मानसून की पहली फुहार पड़ते ही अगर किसी बॉलीवुड गीत की धुन सबसे पहले लोगों के जेहन में गूंजती है, तो वह है 'बरसो रे'. मणिरत्नम की फिल्म 'गुरु' का यह सदाबहार गीत आज भी बारिश के मौसम का पर्याय माना जाता है. ऐश्वर्या राय का बारिश में बेफिक्र होकर नाचना, ए.आर. रहमान का मधुर संगीत, गुलजार के दिल छू लेने वाले बोल और श्रेया घोषाल की सुरीली आवाज ने इस गाने को ऐसा जादू दिया, जो करीब दो दशक बाद भी बरकरार है.

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'गुरु' का यह गीत केवल एक फिल्मी गाना नहीं, बल्कि मानसून की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है. जैसे ही बारिश की बूंदें धरती पर गिरती हैं, सोशल मीडिया से लेकर रेडियो और म्यूजिक प्लेलिस्ट तक 'बरसो रे' की गूंज सुनाई देने लगती है. इस गाने में ऐश्वर्या राय का सहज, मुक्त और प्राकृतिक अंदाज दर्शकों को आज भी उतना ही आकर्षित करता है, जितना रिलीज के समय करता था. गीत की सबसे बड़ी खासियत इसकी सादगी और जीवंतता है. बिना किसी भव्य सेट या कृत्रिम प्रभाव के प्राकृतिक बारिश के बीच फिल्माया गया यह गाना आज भी ताजगी का एहसास कराता है.

ए.आर. रहमान के संगीत और गुलजार की काव्यात्मक रचना ने इसे समय से परे एक कालजयी पहचान दिलाई है. वहीं श्रेया घोषाल और उदय मजूमदार की आवाज ने गीत की मिठास को और भी यादगार बना दिया. बीते वर्षों में बॉलीवुड में बारिश पर कई गाने आए, लेकिन 'बरसो रे' ने अपनी अलग पहचान बनाए रखी. हर मानसून में यह गीत नई पीढ़ी के श्रोताओं तक भी पहुंचता है और पुराने प्रशंसकों की यादों को भी ताजा कर देता है. यही वजह है कि यह गाना आज भी बारिश के मौसम की सबसे पसंदीदा प्लेलिस्ट का हिस्सा बना रहता है.

150 करोड़ के बजट में बनेगी 'तुम्बाड 2'

आलिया भट्ट भी नजर आएंगी इस फिल्म में

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित हॉरर फिल्मों में शामिल 'तुम्बाड' का सीक्वल अब बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है. वर्ष 2018 में रिलीज हुई इस पीरियड हॉरर फिल्म ने अपनी अनोखी कहानी, शानदार सिनेमैटोग्राफी और लोककथाओं पर आधारित प्रस्तुति से दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया था. हालांकि पहली रिलीज के समय फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन 2024 में री-रिलीज के बाद इसकी लोकप्रियता कई गुना बढ़ गई. अब इसी सफलता को देखते हुए मेकर्स 'तुम्बाड 2' को करीब 150 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनाने की तैयारी कर रहे हैं.

फिल्म के 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की योजना है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोहम शाह एक बार फिर फिल्म की कमान संभालेंगे और मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. इस बार फिल्म का कैनवास पहले से कहीं बड़ा होगा. रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी और आलिया भट्ट भी फिल्म की स्टारकास्ट का हिस्सा होंगे, हालांकि मेकर्स की ओर से विस्तृत आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. 'तुम्बाड' का पहला भाग महज 15 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया था. फिल्म का निर्देशन राही अनिल बर्वे और आनंद गांधी ने किया था. इसमें सोहम शाह ने विनायक राव का किरदार निभाया था.

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में बढ़ा पारिवारिक घमासान

टेलीविजन के चर्चित धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में पारिवारिक रिश्तों का तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है. 12 जुलाई के एपिसोड में तुलसी के घर के सदस्यों से किराया मांगने के फैसले ने पूरे परिवार में नया विवाद खड़ा कर दिया. एक ओर करण और गौतम ने इस फैसले का खुलकर विरोध किया, तो दूसरी ओर दामिनी और शोभा ने तुलसी के कदम का समर्थन करते हुए इसे परिवार को फिर से एकजुट करने की नई रणनीति बताया. एपिसोड की शुरुआत में वैष्णवी नकुल से कहती है कि वह कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले तुलसी से बात करेगी. इसी बीच घर में तुलसी की नई शर्त को लेकर माहौल गरमा जाता है. करण साफ शब्दों में कहता है कि वह तुलसी को अपनी मां नहीं मानता और उन पर अपने बेटे पार्थ की मौत का आरोप भी लगाता है.

करण की यह बात सुनकर गौतम भी भड़क उठता है और दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो जाती है. हालांकि दोनों के आरोप अलग-अलग हैं, लेकिन तुलसी के किराया मांगने के फैसले का विरोध करने में वे एकजुट नजर आते हैं. दोनों का मानना है कि बिना कानूनी बंटवारे के परिवार के सदस्यों से किराया मांगना गलत है. दूसरी तरफ दामिनी और शोभा का मानना है कि तुलसी का यह फैसला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि परिवार को उसकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने और बिखरे रिश्तों को नए तरीके से जोड़ने की कोशिश है. एपिसोड में एक और दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब महाराज तुलसी से पूछते हैं कि वह किस हिस्से में चाय पिएंगी और खाना बनाएंगी, लेकिन साथ ही याद दिलाते हैं कि जिस हिस्से में रहेंगी, वहां से किराया भी लिया जाएगा.

करेले की 'काशी प्रतिष्ठा' वैरायटी दिलाएगी बंपर मुनाफा

कम लागत, जल्दी तैयार होने वाली उन्नत किस्म

खरीफ सीजन में अगर किसान कम समय में अच्छी आमदनी देने वाली सब्जी की खेती करना चाहते हैं, तो करेले की 'काशी प्रतिष्ठा' किस्म एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है. भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह उन्नत वैरायटी अपनी अधिक पैदावार, बेहतर गुणवत्ता और जल्दी तैयार होने की क्षमता के कारण किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है. इस किस्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बुवाई के लगभग 55 दिनों बाद ही पहली तुड़ाई शुरू हो जाती है, जिससे किसान कम समय में बाजार में फसल उतारकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं.

'काशी प्रतिष्ठा' किस्म के पौधों में फल जल्दी लगते हैं और उत्पादन भी लंबे समय तक मिलता रहता है. इसके फल गहरे हरे रंग के, आकर्षक, समान आकार वाले और बाजार की मांग के अनुरूप होते हैं. यही वजह है कि मंडियों में इस किस्म के करेलों की अच्छी कीमत मिलती है. उचित देखभाल और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर किसान प्रति एकड़ बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं.इस किस्म की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त रहती है. खेत की अच्छी तरह जुताई कर उसमें गोबर की सड़ी हुई खाद मिलाने से पौधों की बढ़वार बेहतर होती है. बुवाई के बाद समय-समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है.करेला एक ऐसी सब्जी है जिसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है.

ऐसे में जल्दी तैयार होने वाली उन्नत किस्म किसानों को बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिला सकती है. यदि फसल की सही समय पर तुड़ाई और उचित ग्रेडिंग की जाए तो किसानों को बेहतर कीमत मिलने की संभावना बढ़ जाती है. 'काशी प्रतिष्ठा' किस्म के बीज अब राष्ट्रीय बीज निगम के बिक्री केंद्रों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यमों पर भी उपलब्ध हैं. किसान प्रमाणित बीज खरीदकर खेती शुरू कर सकते हैं.

हालांकि, कृषि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बीज हमेशा विश्वसनीय और प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें, ताकि अंकुरण और उत्पादन बेहतर रहे. कम लागत, कम समय में तैयार होने वाली फसल और बेहतर बाजार मूल्य के कारण 'काशी प्रतिष्ठा' करेला किसानों के लिए इस सीजन में लाभदायक विकल्प बनकर उभर रहा है. वैज्ञानिक खेती और उचित प्रबंधन अपनाकर किसान इस उन्नत किस्म से अच्छी उपज के साथ बेहतर मुनाफा भी हासिल कर सकते हैं.

चेरी से घर पर उगाएं पौधा

अगर आपने कभी चेरी खाई है और उसकी गुठली को बेकार समझकर फेंक दिया है, तो अगली बार ऐसा करने से पहले एक बार जरूर सोचें. थोड़ी मेहनत और सही तकनीक अपनाकर आप उसी गुठली से घर पर चेरी का पौधा तैयार कर सकते हैं. हालांकि बीज से तैयार पेड़ को फल देने में समय लगता है, लेकिन बागवानी के शौकीनों के लिए यह एक रोचक और संतोषजनक अनुभव हो सकता है.

चेरी का पौधा तैयार करने के लिए सबसे पहले पकी हुई चेरी की गुठली को अच्छी तरह साफ कर लें, ताकि उस पर फल का गूदा न रह जाए. इसके बाद गुठली को कुछ दिनों तक सूखने दें. अंकुरण बेहतर करने के लिए गुठली को कुछ सप्ताह तक ठंडे वातावरण में रखना उपयोगी माना जाता है. इसके बाद इसे जैविक खाद मिली हल्की और अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी से भरे गमले में 1 से 2 इंच गहराई पर बो दें. मिट्टी में नमी बनाए रखें, लेकिन अधिक पानी देने से बचें.

बारिश में ऐसे करें फसलों की देखभाल

मानसून का मौसम किसानों के लिए जितना फायदेमंद होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी साबित हो सकता है. अच्छी बारिश फसलों की बढ़वार के लिए जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा वर्षा और खेतों में जलभराव फसल उत्पादन पर विपरीत असर डाल सकते हैं.

ऐसे में कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसान इस मौसम में कुछ जरूरी सावधानियां अपनाएं, तो फसलों को रोगों और कीटों से बचाने के साथ-साथ बेहतर पैदावार भी हासिल की जा सकती है. सबसे पहले खेतों में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करना जरूरी है. धान जैसी फसलों को छोड़कर अधिकांश फसलें लंबे समय तक जलभराव सहन नहीं कर पातीं. खेत में पानी जमा रहने से जड़ें सड़ने लगती हैं और पौधों की वृद्धि रुक जाती है. इसलिए लगातार बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी को नालियों के माध्यम से बाहर निकालना चाहिए. बारिश के मौसम में फफूंद जनित रोग और कीटों का प्रकोप तेजी से बढ़ता है.

सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन में यंग प्रोफेशनल की भर्ती

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन ने यंग प्रोफेशनल के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. इस भर्ती अभियान के तहत कुल 6 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 22 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. चयनित अभ्यर्थियों को योग्यता और अनुभव के आधार पर 50,000 से 60,000 रुपये प्रति माह तक समेकित वेतन दिया जाएगा.

भर्ती के तहत यंग प्रोफेशनल (लर्निंग एंड डेवलपमेंट), यंग प्रोफेशनल (PCS मार्केटिंग) और यंग प्रोफेशनल (मार्केटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट) जैसे पद शामिल हैं. अलग-अलग पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता भी अलग निर्धारित की गई है. लर्निंग एंड डेवलपमेंट पद के लिए एचआर में विशेषज्ञता के साथ फुल-टाइम एमबीए/पीजीडीएम, क्टस मार्केटिंग के लिए कृषि में बीएससी (एंटोमोलॉजी) तथा मार्केटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट पद के लिए मार्केटिंग, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन मैनेजमेंट या संबंधित विषय में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा आवश्यक है. संबंधित क्षेत्र में 0 से 3 वर्ष या उससे अधिक अनुभव रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं.

सभी पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष तय की गई है. चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रारंभ में दो वर्ष के अनुबंध पर होगी, जिसे कार्य प्रदर्शन और संगठन की आवश्यकता के आधार पर एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है. इस तरह अधिकतम कार्यकाल तीन वर्ष (2+1) रहेगा.

इच्छुक उम्मीदवार की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

एचएएल बैरकपुर में आईटीआई अप्रेंटिस के 27 पदों पर भर्ती

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बैरकपुर डिवीजन ने वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस के 27 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. इस भर्ती के तहत चयनित अभ्यर्थियों को एक वर्ष का अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण दिया जाएगा. इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 24 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली दस्तावेज सत्यापन (वॉक-इन) प्रक्रिया में शामिल होकर आवेदन कर सकते हैं.

भर्ती के तहत फिटर (11 पद), मशीनिस्ट (7), इलेक्ट्रीशियन (5), वेल्डर (2) और टर्नर (2) ट्रेड में रिक्तियां निकाली गई हैं. आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का 10वीं (एसएससी/एचएससी) उत्तीर्ण होना तथा संबंधित ट्रेड में एनसीवीटी से नियमित आईटीआई (सीटीएस) प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है.जो अभ्यर्थी पहले से किसी संस्थान में एनएपीएस * के तहत अप्रेंटिसशिप कर चुके हैं या वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं, वे इस भर्ती के लिए पात्र नहीं होंगे. इसके अलावा एक वर्ष या उससे अधिक का कार्य अनुभव रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन नहीं कर सकते.

आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड में 1213 पदों पर भर्ती

आईटीआई से लेकर इंजीनियरिंग पास युवाओं के लिए मौका

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए रक्षा क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर आया है. आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) ने वर्ष 2026 के लिए 1213 रिक्त पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. इस भर्ती के तहत 1005 जूनियर टेक्नीशियन और 208 कार्यकारी (एग्जीक्यूटिव) श्रेणी के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 25 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

इस भर्ती में जूनियर टेक्नीशियन, जूनियर प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, उप प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, उप महाप्रबंधक, अतिरिक्त महाप्रबंधक और सलाहकार सहित कई पद शामिल हैं. चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति चेन्नई (अवाडी), जबलपुर, मेडक, अंबरनाथ सहित एवीएनएल की विभिन्न इकाइयों में निश्चित अवधि के अनुबंध (फिक्स्ड टर्म) के आधार पर की जाएगी.

जूनियर टेक्नीशियन पदों के लिए संबंधित ट्रेड में आईटीआई (एनटीसी/एनएसी) प्रमाणपत्र अनिवार्य है. वहीं जूनियर प्रबंधक, सहायक प्रबंधक और उप प्रबंधक पदों के लिए संबंधित विषय में बीई/बीटेक अथवा स्नातकोत्तर डिग्री आवश्यक है.